<u>हिंदी पखवाड़ा</u>- छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करने के लिए ,उनकी रचनात्मकता और सृजनात्मकता को बढ़ाने के लिए तथा विशेषकर हिंदी को उसका सम्मान दिलाने के लिए सत्र-2019-20 में 2 सितम्बर से 13 सितम्बर तक केंद्रीय विद्यालय क्र.-1 में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया |इसके अंतर्गत अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया | जैसे – भाषण प्रतियोगिता,काव्य – पाठ प्रतियोगिता,निबन्ध लेखन प्रतियोगिता,नारा लेखन प्रतियोगिता |इसके अंतर्गत शिक्षकों तथा कार्यालयी कर्मचारियों के लिए हिंदी टंकण और पत्र-लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया |प्रात:कालीन सभा में अहिन्दी क्षेत्रों के अध्यापकों ने हिंदी के महत्त्व पर प्रकाश डाला |हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में अध्यापकों का कवि-सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें अध्यापकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया | विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को समापन समारोह पर सम्मानित किया गया |

<u>हिंदी प्रदर्शनी</u> – छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करने के लिए ,उनकी रचनात्मकता और सृजनात्मकता को बढ़ाने के लिए तथा छात्रों को हिंदी साहित्य से परिचित कराने के लिए सत्र-2019-20 में 12 सितम्बर से 19 सितम्बर तक केंद्रीय विद्यालय क्र.-1 में हिंदी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया |प्रदर्शनी का आयोजन हिंदी विभाग प्रभारी श्री संजय कुमार द्वारा किया गया |यह एक नवाचार था |प्रदर्शनी का उद्घाटन ऊधमपुर के वरिष्ठ साहित्यकार प्रो.शिवदत्त निर्मोही द्वारा किया गया |वार्षिक निरीक्षण दल ने भी इस नवाचार की प्रशंसा की |

<u>भाषा-संगम</u> – केंद्रीय विद्यालय संगठन छात्रों में साम्प्रदायिक सद्भाव बढाने के तथा भाई-चारे की भावना को कायम रखने के लिए वचनबद्ध है |इसीलिए के.वि.सं. ने ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत’ कार्यक्रम शुरू किया गया है |इसके अंतर्गत जम्मू-कश्मीर का युग्मित राज्य तमिलनाडू है |छात्र तमिलनाडू की भाषा को समझ सकें,उनकी संस्कृति को समझ सकें इसके लिए भाषा- संगम कार्यक्रम प्रार्थना-सभा में आयोजित किया गया |इसके अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह किसी विषय विशेष से सम्बन्धित तमिल में बोले जाने वाले शब्दों का उच्चारण प्रार्थना – सभा में करवाया गया |विभिन्न मुद्दों दे जुड़ी प्रतिज्ञाएँ भी तमिल भाषा में करवाई गई |इस भाषा को सीखने के लिए छात्रों में एक नया जोश देखा गया जो उनके सर्वंगीण विकास के लिए अति आवश्यक है |

द्वारा- श्रीमती श्वेता,श्री राजेश कुमार